

‘चमत्कारी’ महुआ पेड़ के चलते हुई हिंसा, 12 पुलिसकर्मी घायल, 5 की हालत नाजुक

मध्य प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व स्थित महुआ पेड़ को देखने जुटे लोगों ने पुलिस पर हमला बोल दिया

ग्रामीणों के हमले में एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए। इनमें से 5 की हालत नाजुक बताई जा रही है



पुलिस प्रशासन के लिए मुसीबत बने लोग

आए दिन जुटती भीड़ और जंगल में पहुंचता धूपबत्ती का धुआं स्थानीय प्रशासन, पुलिस और वन अधिकारियों के लिए चुनौती बन गया है। ऐसे में लोगों के यहां आने पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके विरोध में बुधवार को हजारों लोग यहां इकट्ठा हो गए जिससे पुलिस और लोगों में टकराव हो गया। अधिकारियों का मानना है कि चमत्कारी पेड़ की कहानी ऐसे कमाने के लिए गांव के कुछ लोगों ने तैयार की है।

मालवीय ने बताया, ‘स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया। हमारी टीम वहां भीड़ को नियंत्रित करने गई थी।’ उन्होंने बताया कि वह मामले को सुलझाने के लिए ग्रामीणों से बात कर रहे हैं। बता दें कि होशंगाबाद के नयागांव निवासी किसान रूप सिंह ठाकुर से अप्पन्नाह शुरु हुई थी कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व जान में लगे महुआ

रोज आते हैं हजारों

यह अप्पन्नाह फैलते ही यहां रोज लोगों की भीड़ जुटने लगी। तकरीबन 30 हजार लोग हर रोज यहां पेड़ को देखने के लिए आने लगे। दो महीने में यहां करोड़ों लोग पेड़ के दर्शन कर चुके हैं। सिर्फ मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश से तकरीबन 10 लाख लोग इस टाइगर हैबिटेट में आ चुके हैं।

पेड़ में जादुई शक्ति है।

विरोध प्रदर्शन के बीच JNU में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति से तोड़फोड़



नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) में चल रहे छात्रों प्रदर्शन के बीच तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। इसमें स्वामी विवेकानंद की एक मूर्ति को तोड़ दिया गया है। इसे किसने तोड़ा है यह फिलहाल साफ नहीं है, लेकिन मूर्ति के आसपास बीजेपी के लिए अपशब्द लिखे हुए हैं। बता दें कि इस मूर्ति का अभी अनावरण नहीं हुआ है। बता दें कि जेएनयू में फिलहाल बड़ी फीस के खिलाफ प्रदर्शन चल रहा है। छात्र विभिन्न चार्ज और नियमों में बदलाव के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि बुधवार शाम को फीस में वृद्धि आंशिक रूप से वापस ले ली गई और जेएनयू प्रशासन ने कहा कि छात्रावास नियमावली से ड्रेस कोड और आने-जाने के समय से जुड़े उपबंध भी हटा दिए गए हैं। बावजूद इसके छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं।

वीसी ऑफिस की दीवारें रंग दीं: जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के छात्र यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा कुछ अलग अंदाज में जहिर कर रहे हैं। इसमें छात्रों द्वारा बुधवार को प्रशासनिक ब्लॉक की दीवारों को रंग दिया गया। इसमें वीसी एम जगदीश कुमार के ऑफिस को भी नहीं छोड़ा गया। ब्लॉक के तीनों फ्लोर की लगभग सभी दीवारों पर तरह-तरह के नारे लिखे हुए दिखे।

जब नेताजी को ‘जनता’ ने दिया धोखा।



मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति में गुरुवार को एक नेताजी आए थे। नेताजी ने बहुत अच्छा गेम खेला। लेकिन, अपने ही फील्ड से पूछे गए एक सवाल कका वह जवाब नहीं दे पाए

कौन बनेगा करोड़पति शो घर-घर छाया हुआ है। टीआरपी चार्ट पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मेगास्टार अमिताभ बच्चन के इस शो में अजब-गजब घटनाएं भी होती हैं। गुरुवार को कुछ ऐसा ही हुआ।

गुरुवार को हॉट सीट पर एक नेताजी आए थे। हुआ कुछ ऐसा कि नेताजी को जनता (ऑडियंस पोल) ने ही धोखा दे दिया। बेहद रीन गेम खेल रहे नेताजी को सिर्फ 10 हजार रुपये पर संतुष्ट होना पड़ा। गुरुवार को अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर थे लखनऊ के नेताजी सरबजीत सिंह मकड़। वह अच्छा खेल रहे थे। उनसे उन्हीं के फील्ड से जुड़ा एक सवाल पूछा गया और सरबजीत सिंह गलत जवाब दे गए। सवाल था कि इनमें से कौन से मुख्यमंत्री दून स्कूल देहरादून के पूर्व छात्र नहीं हैं इसके ऑप्शन थे, कमलनाथ, नवीन पटनायक, वाईएस जगनमोहन रेड्डी और अमरिंदर सिंह। इस सवाल का सही उत्तर था अमरिंदर सिंह। सरबजीत को इस सवाल का जवाब पता नहीं था। सरबजीत ने लाइफटाइन 50-50 ली। दो ऑप्शन बच गए। जगनमोहन रेड्डी और अमरिंदर सिंह। फिर भी सरबजीत समझ नहीं पाए।

सत्ता के लिए शिवसेना ने बदला ‘मातोश्री’ एजेंडा

पहली बार सत्ता के लिए शिवसेना ने एजेंडा के साथ-साथ बदला अपना स्टाइल, ठाकरे परिवार से आदित्य ठाकरे के रूप में पहले उम्मीदवार ने कोई चुनाव लड़ा

- शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे खुद ‘मातोश्री’ से बाहर आकर नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं
- इससे पहले शिवसेना से किसी भी तरह की चर्चा के लिए नेताओं को मातोश्री आना होता था

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना के लिए बहुत कुछ बदल गया। पार्टी ने चुनाव के बाद ना सिर्फ अपना अजेंडा बदला बल्कि उसने अब अपना काम करने का तरीका भी बदल दिया है। पहली बार ठाकरे परिवार से कोई चुनाव में उतरा। अब शिवसेना कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर सरकार बनाने के प्रयास भी कर रही है।

अब वे दिन भी चले गए जब लालकृष्ण आडवाणी, शरद पवार, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, प्रमोद महाजन, विलासराव देशमुख और रजनीकांत जैसी शक्तिशाली ‘मातोश्री’ जाकर बाला साहब ठाकरे से मुलाकात किया करती थीं। उस जमाने में ‘मातोश्री’ राजनीति का पावर सेंटर हुआ करता था। 2012 के राष्ट्रपति चुनाव में प्रणव मुखर्जी ने भी शरद पवार के साथ ‘मातोश्री’ जाकर खुद के लिए समर्थन मांगा था।

पिछले हफ्ते बीजेपी और एनडीए से रिश्ते तोड़ने के बाद परिस्थितियां बदलती नजर आ रही हैं। शिवसैनिक को मुख्यमंत्री बनाने के प्रयासों में लगी शिवसेना अपने धुर विरोधियों कांग्रेस और एनसीपी से बातचीत कर रही है। सीएम की कुर्सी की खातिर शिवसेना चीफ



उद्धव ठाकरे खुद मातोश्री से बाहर आए और उन्होंने होटेल में जाकर कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की। सोमवार को उद्धव ठाकरे ने ने बांद्रा के होटेल ताज लैंड्स में शरद पवार से मुलाकात करके इस नए गठबंधन की सरकार की संभावनाओं पर चर्चा की। शिवसेना की राजनीति के बारे में समझ रखने वाले कई

बताया कि दादर (शिवसेना ऑफिस से) से दिल्ली तक ठाकरे अब बहुत आगे आ चुके हैं। बुधवार को भी उद्धव ठाकरे ने अहमद पटेल और अशोक चव्हाण सरीखे कांग्रेस के दिग्गज नेताओं से होटेल ट्राइडेंट में मुलाकात की। इसके अलावा नरिमन पॉइंट स्थित वाई बी चव्हाण सेंटर और शरद पवार का घर राजनीतिक हलचल का केंद्र बना हुआ है। कांग्रेस के 44 विधायकों का समर्थन हासिल करने के लिए उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी फोन पर बातचीत की। बता दें कि लंबे समय तक खुद बाला साहब ठाकरे और शिवसेना के मुखपत्र ‘सामना’ ने सोनिया गांधी के इटली मूल के होने पर लगातार हमले किए हैं। इस सबके बारे में बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ‘शिवसेना के जहाज ने कम से कम जमीन तो छू

ही ली है। उसने यह तय किया है कि अगर सीएम के पद के लिए उसे एनसीपी-कांग्रेस के दरवाजे पर भी खड़ा होना पड़े तो वह जाएगी।’ उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अमित शाह दो बार ‘मातोश्री’ गए थे। पवार साहब और अहमद पटेल को अगर शिवसेना का समर्थन भी चाहिए होगा तो वह कभी मातोश्री नहीं जाएंगे। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, ‘पांच साल सरकार चलाने के दौरान संतुलन बनाए रखने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे से लगातार मुलाकात की लेकिन ठाकरे परिवार को अब अपने नए सहयोगियों के साथ प्रोटोकॉल का ख्याल रखना होगा। अब उन्हें असली खेल समझ आएगा।’

अमेठी के डीएम प्रशांत शर्मा को हटाया गया

- ट्रेनी पीसीएस को कॉलर से घसीटने का विडियो हुआ था वायरल

- सोशल मीडिया पर जमकर हुई थी किरकिरी, स्मृति इरानी ने भी दी नसीहत



प्रशांत वेंटिंग लिस्ट में, अरुण कुमार अमेठी के नए डीएम

गुरुवार को भी सोशल मीडिया पर किरकिरी होते देख शासन ने प्रशांत शर्मा को हटाने का फैसला किया। उन्हें वेंटिंग लिस्ट में डालते हुए उनकी जगह अब अरुण कुमार को अमेठी का डीएम बनाया गया है। अरुण कुमार गैरट विकास प्राधिकरण (एमडीए) के उपाध्यक्ष थे। उनकी जगह गुरुवार के डीएम राकेश कुमार सिंह को एमडीए के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सोशल मीडिया पर हुई किरकिरी, स्मृति ने दिया ‘सबक’

डीएम प्रशांत शर्मा के अमर व्यवहार का विडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ और लोगों ने उन्हें जमकर निशाने पर लिया। अमेठी से सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने भी डीएम अमेठी को टैग करते हुए लिखा, ‘विनयशील एवं संवेदनशील बने हम यहीं प्रयास होगा चाहिए। जनता के हम सेवक हैं, शासक नहीं’ इसके जवाब में सफ़ई के तौर पर डीएम प्रशांत शर्मा ने सुनील सिंह का ही एक विडियो जारी किया जिसमें सुनील खुद कह रहे थे कि डीएम ने उनसे कोई बदसलूकी नहीं की और जो विडियो वायरल हुआ वह ‘एडिटेड’ है।

दिल्ली: प्रदूषण पर हाईकोर्ट ने की सरकार की खिंचाई

कहा- उपायों को लागू करने की इच्छाशक्ति में कमी

नई दिल्ली(ए.)। राजधानी में एयर इमर्जेंसी पर हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों और संबंधित प्राधिकरणों की जमकर खिंचाई की और कहा कि प्रदूषण से लड़ने के उपायों को लागू करने की इच्छाशक्ति में कमी है। बता दें कि दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है और इस वजह से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को 15 नवंबर तक बंद कर दिया गया है। हाई कोर्ट ने



कहा कि आम जनता सहित सभी हित धारकों से इससे लड़ने में अग्र-सक्रिय भूमिका निभानी पड़ेगी।

कोर्ट ने कहा, ‘समस्या लागू करने में है, इससे (प्रदूषण) से लड़ने के उपायों में कमी

नहीं है। इसे लागू करने की इच्छाशक्ति की पूरी कमी है और अगर हम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त देखना चाहते हैं तो आम नागरिकों सहित सभी हितधारकों को इसमें अग्र-सक्रिय भूमिका निभानी पड़ेगी।’

दिल्ली में वायु प्रदूषण अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में गंभीर स्तर पर पहुंच गया और उसके बाद से लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। राजधानी की सरकार ने इससे लड़ने के लिए ऑड-ईवन योजना लागू की है और ऐसा दावा कर रही है कि इससे पलूशन से लड़ने में मदद मिली है।

पत्नी से झगड़ा, दो बच्चों को 300 फीट गहरी खाई में फेंका

तमिलनाडु। तमिलनाडु में एक शख्स ने पत्नी से नाराज होकर अपने दो बच्चों को 300 फीट गहरी खाई में फेंक दिया। दोनों बच्चों की फैन मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को दोनों बच्चों की हत्या के आरोप में अरेस्ट कर लिया है, मामले की जांच की जा रही है यह घटना 8 नवंबर की है लेकिन इसकी जानकारी बुधवार को उस समय हुई जब आरोपी सिरंजीवी (28) की पत्नी बक्षिष्म (24) कोल्लो हिल्स के वजावंची नाडु पुलिस स्टेशन गई। उसने बताया कि अपने उसके दो बच्चे गिरिदाम (8) और कविदर्शिनी (5) गायब हैं। सिरंजीवी मजदूरी करता है, छह महीने पहले पारिवारिक विवाद के बाद उसकी पत्नी बच्चों के साथ कोल्लो पहाड़ियों के ऊपर बसे कवारापट्टी गांव में अपने पिता के घर रहने लगी थी।

राजकीय सम्मान के साथ होगा महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का अंतिम संस्कार: गिरिराज सिंह

देश के स्टीफन हॉकिंग कहे जाने वाले गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह का आज सुबह पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में निधन हो गया

पटना(ए.)। निधन के बाद एक घंटे तक ऐंबुलेंस की राह देखते रहे महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण सिंह के पार्थिव शरीर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। मामले पर बिहार की नीतीश सरकार की छीछलेदार के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राजकीय सम्मान के साथ गणितज्ञ की अंतिम विदाई की बात कही। बता दें कि देश के स्टीफन हॉकिंग कहे जाने वाले वशिष्ठ नारायण सिंह का आज सुबह पटना मेडिकल कॉलेज एंड



हॉस्पिटल में निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे और स्क्रिप्ट्समैनिया से पीड़ित थे।

निधन के बाद वशिष्ठ सिंह के पार्थिव शरीर को एक घंटे तक ऐंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। इस शर्मनाक घटना पर सोशल मीडिया पर लोगों ने नीतीश सरकार और अस्पताल प्रशासन पर घोर लापरवाही के आरोप लगाए। कुमार विश्वास ने लिखा, ‘उफ्फ

एक घंटे बाद मिली ऐंबुलेंस

इस शर्मनाक घटना के मीडिया में आने के बाद उन्हें ऐंबुलेंस मुहैया कराया गया। अस्पताल प्रशासन के इस टयवहार से वशिष्ठ नारायण सिंह के परिवार वाले बेहद आहत दिखे। उन्होंने राज्य सरकार से जाने-माने वैज्ञानिक की राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की मांग की थी।

इतनी विराट प्रतिभा की ऐसी उपेक्षा? विश्व जिसकी मेधा का लोहा माना उसके प्रति उसी का बिहार इतना पथर हो गया? आप सबसे सवाल बनता है । भारतमा क्यो सोंप ऐसे मेधावी बेटे इस देश को जब हम उन्हें संभाल ही न सकें?’

टिप्पणी अयोध्या विवाद के फैसले पर जस्टिस बोबडे ने कहा, ‘संदेश यही है कि विवाद अब खत्म हो चुका है’

कैसे हुआ अयोध्या फैसला, जस्टिस बोबडे ने बताया

जस्टिस बोबडे 18 नवंबर को देश के अगले चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ लेंगे

फैसले से पहले कानून और व्यवस्था को लेकर चिंतित होने की बात भी जस्टिस बोबडे ने स्वीकार की



जस्टिस बोबडे ने अयोध्या फैसले, न्यायपालिका में नियुक्तियों के लिए सरकार पर दबाव समेत कई मुद्दों पर खुलकर बात की।

सहमति से तय हुआ था कि फैसला सर्वसहमति से ही आए। क्या आप पहले से ही इसके लिए सहमत थे, या फिर आगे बढ़ते हुए ऐसा हुआ? फैसले के आर्थर कौन थे? हम सब सहमत थे... जब सोच समान होती है तो कोई एक व्यक्ति ही फैसले को लिखता है। फैसला हमेशा सर्वोच्च अदालत के निर्णय के तौर पर देखा जाता है। इसके अलावा मैं किसी और विषय में नहीं जाना चाहूंगा। क्या यह आपके पास आए मुकदमों में सबसे मुश्किल केस था? हां, महत्वपूर्ण था। आप फैसले तक कैसे

पहुंचे? मैं इसके बारे में कुछ ज्यादा बात नहीं करना चाहता हूं। हमने फैसला दे दिया है और यह काम है। आप फैसले से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर कितना चिंतित थे? चीफ जस्टिस ने उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और डीजी से... यह बड़ा काम था, चिंता तो थी ही। हम संतुष्ट हैं कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इस फैसले के साथ एक संदेश क्या जाता है? संदेश यही है कि विवाद अब खत्म हो चुका है। क्या आप इस पर सहमत हैं कि सरकार जजों की नियुक्ति

प्रोक्ष तौर पर प्रभावित करती है जैसे प्रस्तावों और सिफारिशों को लागू करने में जबरन देरी करना? ऐसे कहना ठीक नहीं होगा। आप देख सकते हैं कि हजारों नियुक्तियां बिना किसी अवरोध के हो रही हैं। सरकार एक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर है और कोई रब स्टॉप नहीं। नियुक्ति का अधिकार भारत के राष्ट्रपति के पास होता है... आप सरकार की भूमिका को बहुत विस्तृत करने नहीं देख सकते हैं। फैसलों को देखते हुए कह सकते हैं कि जजों की नियुक्ति में जज की भूमिका बड़ी होती है। नाम कोर्ट की तरफसे ही आने चाहिए।



गुवाहाटी(ए.)। नगालैंड के दीमापुर में हाल ही में हुई एक शायी इसलिए चर्चा में रही कि उसमें दूल्हा और दुलहन हाथों में ऑटोमैटिक अस्ॉल्ट राइफल लिए नजर आए थे। यह विवाह समारोह नगा विद्रोही संगठन एनएससीएन-यू के वरिष्ठ नेता के बेटे का था। अब नगालैंड पुलिस ने इनके

खिलाफ युद्धविराम समझौते के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया है। दीमापुर पुलिस कमिश्नर रोहित्व टेस्टो ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, ‘इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। हम जांच कर रहे हैं, इसमें युद्धविराम समझौते के उल्लंघन के मद्देनजर कार्रवाई की जाएगी।’

हाथों में थी आधुनिक राइफलें: यह शायी नगा विद्रोही संगठन के नेता बोहोतो किबा के बेटे की थी। 9 नवंबर को दीमापुर में हुई इस शायी में उनका बेटा और बहू हाथों में एम 16 और एक 56 राइफल लिए नजर आए थे। उनके फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुए थे।

डेंगू के डंक से बेहाल भोपाल को बचाने उतरे मंत्री, खुद कर रहे हैं लार्वा की जांच

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जब डेंगू ने अपने पैर पूरी तरह पसार लिए हैं, तब स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं. हालांकि जो काम बरसात के सीजन के आते ही पूरा हो जाना चाहिए था, अब उसे पूरा करने में मंत्री पूरी ताकत से लग हुए हैं. जबकि मीडिया के डेंगू से जुड़े सवालों का जवाब देने स्वास्थ्य मंत्री साकेत नगर डेंगू प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे. इस मौके पर उनके साथ कलेक्टर तरुण पिथोड़े के अलावा भोपाल सीएमएचओ और मलेरिया विभाग सहित नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद थे.स्वास्थ्य मंत्री तुलसी सिलावट घर-घर जाकर खुद डेंगू लार्वा की जांच कर रहे हैं. डेंगू के कहर से लोगों को बचाने की खातिर उन्होंने साकेत नगर में निरीक्षण किया. डेंगू के कहर ने इस बार 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है. इस साल डेंगू के मरीजों की संख्या 1 हजार के पार जा पहुंच चुकी है. हालांकि



हैरानी की बात ये है कि बड़ते आंकड़ों को देख सरकार अब जागी है और स्वास्थ्य मंत्री लोगों को जागरूक करने खुद गली मोहल्ले निकल रहे हैं.

सवालोंने परेशान हो कर खुद संभाला मोर्चा

मिलावट के बाद प्रदेश की कमलनाथ

सरकार ने डेंगू के खिलाफ जनआंदोलन छेड़ दिया है. खुद स्वास्थ्य मंत्री तुलसीराम मंत्री लोगों को जागरूक करने खुद गली मोहल्ले निकल रहे हैं. आज सुबह मंत्री सिलावट सकेत नगर में औचक निरीक्षण करने पहुंचे जहां कई घरों में डेंगू का लार्वा पाया गया. स्वास्थ्य महकमे ने दवाई डाल कर लार्वों को नष्ट किया. इस दौरान कई लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री

से शिकायत की इलाकों में कई दिनों तक फोग मशीन का इस्तेमाल नहीं होता. इस पर मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायत जल्द दूर की जाएगी.

बैठकों के दौर जारी

इससे पहले बुधवार को डेंगू को लेकर स्वास्थ्य मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बैठक ली थी और कहा था कि डेंगू के खिलाफ युद्धस्तर पर मुहिम चलाने की जरूरत है. खाली प्लॉटों के मालिकों को नोटिस दिया गया है. स्वास्थ्य विभाग ने भोपाल को जोन के आधार पर बांट दिया है. समस्या गम्भीर होने पर बैठकों के दौर लगातार जारी हैं. मंत्री खुद भोपाल में चिन्हित स्थानों का दौरा करने मैदान में कूद पड़े हैं. डेंगू के जनआंदोलन चलाया जा रहा है. आपको बता दें कि प्रदेश में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और हर दिन इसके मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है. डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग और निगम को दावों की पोल खुल

परिसीमन की सियासत: बीजेपी ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र, प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश में कांग्रेस सरकार के नगरीय निकायों में वार्डों से लेकर नगरीय निकायों की सीमा में किए जाने वाले बदलाव पर हाईकोर्ट का ब्रेक लग गया है. इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने परिसीमन के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया पर रोक लगा दी है. कोर्ट के फैसले के बाद अब तक परिसीमन की प्रक्रिया का विरोध कर रही बीजेपी कांग्रेस सरकार पर आक्रामक हो गई है. बीजेपी ने बिना देरी किए मुख्य सचिव को पत्र लिख परिसीमन की प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा है कि कोर्ट के फैसले के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगनी चाहिए. अब तक शहरों में अपने मुताबिक बदलाव करने में लगी कांग्रेस को कोर्ट के फैसले से बड़ा झटका लगा है. हालांकि कांग्रेस का दावा है कि परिसीमन राज्य सरकार का संवैधानिक अधिकार है, और उसी के तहत नियम प्रक्रियाओं के तहत ही परिसीमन की कार्यवाही का जा रही थी. लेकिन अब कोर्ट के फैसले का परीक्षण कर सरकार अगला कदम उठाएगी. कांग्रेस मोडिया विभाग के उपाध्यक्ष अभय दुबे ने कहा है कि कांग्रेस कोर्ट के फैसले का परीक्षण करेगी और फिर अगला कदम उठाएगी. दुबे ने कहा है कि शहरों की परिसीमन करना राज्य सरकार का संवैधानिक अधिकार है. प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव करीब हैं. इससे पहले एमपी की कांग्रेस सरकार ने शहरों में परिसीमन की कार्रवाई तेज करने के लिए कलेक्टरों को निर्देश जारी किए थे. भोपाल में नगर निगम का बंटवारा कर दो नगर निगम बनाये जाने की तैयारी थी, इसको लेकर भी बीजेपी लगातार विरोध दर्ज करा रही थी.

छोटे भाई ने लांघी बयानों की लक्ष्मण रेखा, तो बड़े भाई दिग्विजय सिंह ने दी नसीहत

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ को मजबूर मुख्यमंत्री बताने वाले कांग्रेस के विधायक लक्ष्मण सिंह को उनके ही भाई और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने नसीहत दी है. दिग्विजय सिंह के मुताबिक लक्ष्मण सिंह अनुभवी नेता हैं और सीएम कमलनाथ से उनके नजदीकी संबंध हैं. अगर उन्हें कोई बात कहनी है तो बजाए पब्लिक के सीधे मुख्यमंत्री से करना चाहिए. दरअसल दिग्विजय सिंह, जो अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं, के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह भी अब उनकी राह पर चल पड़े हैं. जब से प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में आयी है, लक्ष्मण सिंह अपने बयानों के कारण लगातार चर्चा में हैं.



दिग्विजय सिंह संघ और बीजेपी के खिलाफ हमला बोलने के कारण चर्चा में रहते हैं, लेकिन लक्ष्मण सिंह अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ हमलावर हैं.

वो बयान जो चर्चा में रहे

लक्ष्मण सिंह ने एक दिन पहले

ही सीएम कमलनाथ को नसीहत देते हुए कहा था कि वो मजबूर नहीं मजबूत सीएम बनकर काम करें. लक्ष्मण सिंह इससे पहले भी अपने बयानों से सरकार और कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी करते रहे हैं. कुछ दिन पहले वो चाचौड़ा को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर

दिग्विजय सिंह के बंगले में धरने पर बैठ गए थे. उससे पहले वो कर्ज माफी न होने पर राहुल गांधी से माफी की मांग कर चुके हैं.

लक्ष्मण सिंह आखिर अपने ही नेताओं और पार्टी के खिलाफ लगातार बयानबाजी क्यों कर रहे हैं, ये सवाल सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना है. जानकारों की मानें तो दरअसल लक्ष्मण सिंह कांग्रेस की सरकार बनने के बाद वरिष्ठता के मामले में मंत्री पद के दावेदार माने जा रहे थे लेकिन उन्हें मंत्री बनाए जाने के बजाए दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्द्धन सिंह को मंत्री बना दिया गया. यही वजह है कि वो बीच-बीच में बयान देकर अपनी पार्टी और कमलनाथ सरकार को असहज करते रहते हैं.

अब 50 पार वालों का नंबर, बदलेंगे भाजपा के 35 से ज्यादा जिलाध्यक्ष

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भाजपा द्वारा जिला अध्यक्ष के लिए 50 साल उम्र निर्धारित किए जाने से जिला संगठनों में सियासत गरमा गई है। उम्र बंधन के कारण प्रदेश के लगभग 35 जिलों के अध्यक्ष दौड़ से बाहर हो जाएंगे। प्रदेश में भाजपा के 56 संगठनात्मक जिले हैं। मौजूदा अध्यक्षों में से ज्यादातर की उम्र सीमा से अधिक यानी 50 साल पार हो चुकी है। पार्टी नेताओं का मानना है कि उम्र सीमा के बंधन को हर हाल में लागू किया जाएगा और इसके दायरे में आने वाले जिला अध्यक्षों की छुट्टी कर दी जाएगी। उम्र के साथ ही कुछ जिलाध्यक्षों को निष्क्रियता और विलेपन के कारण भी बदलने पर विचार चल रहा है। महाकोशल, मालवा अंचल, बुंदेलखंड, चंबल-

ग्वालियर और मध्य भारत के कई जिलों में उम्र की सियासत के कारण भाजपा नए कलेक्टर में नजर आएगी। पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में 75 पार की उम्र सीमा का फार्मूला लगाकर बुजुर्ग नेताओं की छुट्टी की दी गई। अब पार्टी संगठन में युवाओं को तरजीह देने के लिए जिलाध्यक्ष की 50 साल उम्र तय कर दी है। इसमें भी पार्टी ने तय किया है कि किसी सिफारशी लाल को संगठन की कमान नहीं सौंपी जाएगी। उसे ही जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा, जो संगठन में सक्रिय है। पार्टी की रीति-नीति को जानता है। भाजपा संगठन चुनाव के माध्यम से मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाना चाहती है, इसलिए पार्टी ऐसे कार्यकर्ताओं को संगठन की कमान सौंपना चाहती

एसबीआई एटीएम में विदेशी युवकों ने 23 दिन में दो बार लगाया स्कीमर

पहली बार 15 अक्टूबर को लगाया, फिर 7 नवंबर को उसी एटीएम को बनाया निशाना

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कटारा हिल्स स्थित अमलतास टॉवर के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के एटीएम में क्लोनिंग करने के लिए जालसाजों ने दो बार स्कीमर लगाया था। ये खुलासा एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से हुआ है। पुलिस के हाथ 15 अक्टूबर की रात के फुटेज लगे हैं। इसमें दो विदेशी युवक इस एटीएम में स्कीमर लगाते हुए नजर आ रहे हैं। रात करीब 12 बजे दोनों युवकों ने एटीएम में स्कीमर लगाया और 16 अक्टूबर की सुबह सात बजे उसे निकाल भी



लिया। पुलिस का अंदाजा है कि इन सात घंटे में एटीएम इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज्यादा नहीं थी, इसलिए जालसाजों ने सात नवंबर को दोबारा उसी एटीएम में स्कीमर लगा दिया। भोपाल सायबर क्राइम को फिलहाल जालसाजों का कोई सुराग नहीं मिला है। इस बीच इस स्कीमर लगाया और 16 अक्टूबर की सुबह सात बजे उसे निकाल भी

गिरोह के सदस्यों को पकड़ लिया जाएगा।

इयरफोन लगाकर पहुंचे ताकि गुमराह हो जाए पुलिस

फुटेज में नजर आने वाले दोनों जालसाज कैप लगाए हुए हैं। दोनों का हुलिया नाइजीरियन जैसा है। इनमें से एक कान पर मोबाइल फोन लगाए हुए है, जबकि बगल में खड़ा दूसरा जालसाज इयर फोन लगाए हुए है। पुलिस का मानना है कि दोनों ने ऐसा पुलिस को गुमराह करने के लिए किया है। सेवॉय काम्प्लेक्स स्थित एसबीआई एटीएम में 8-11 जुलाई 2017 को हुई क्लोनिंग के दौरान भी जालसाज ने ऐसा ही किया था। विवेचना में पता चला कि उस वक्त जालसाज किसी से बात नहीं कर रहा था।

न्यूज गैलरी शहर में 50 रुपए किलो मिलेगी प्याज, चार जगह लगेंगे काउंटर



भोपाल। भोपाल में रेटेल में प्याज के भाव 50 से 90 रुपए तक पहुंच गए हैं। इस पर नियंत्रण करने के लिए जिला प्रशासन भोपाल में चार रेटेल स्टॉल खोलने जा रहा है। गुरुवार से यह काउंटर सर्वधर्म कॉलोनी (चूनाभट्टी), बिट्टन मार्केट, पिपलानी (बीएचडीएल), बैरागढ़ में लगेंगे। यहां प्याज 50 रुपए प्रति किलो बिकेगी। इन स्टॉलों से एक उपभोक्ता को 2 किलो से ज्यादा प्याज नहीं दी जाएगी। यह सभी रेटेल काउंटर प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे। ये काउंटर थोक व्यापारियों द्वारा खोले जाएंगे। चार रेटेल काउंटरों से प्याज की बिक्री सहायक तथा कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, श्रम निरीक्षक, उद्यान विकास अधिकारी, मंडी निरीक्षक की निगरानी में होगी। वहीं यहां पुलिस और होमगार्ड का बल भी उपलब्ध करवाया जाएगा ताकि भीड़ लगने की स्थिति में विवाद ना हो। दरअसल, यह निर्णय बुधवार को प्याज व्यापारियों के साथ हुई बैठक में लिया गया। कलेक्टर तरुण पिथोड़े ने बैठक में प्याज व्यापारियों को स्पष्ट कर दिया है कि जो भी रेटेल काउंटर लगाएगा वह खराब प्याज नहीं बेचेगा। यदि गड़बड़ी सामने आई तो व्यापारी पर कार्रवाई की जाएगी।

10 रेटेल काउंटर खोलने का था प्रस्ताव, 6 व्यापारी ही हुए राजी

कलेक्टर कार्यालय में दोपहर डेढ़ बजे हुई बैठक में थोक प्याज व्यापारी ही पहुंचे। आधे घंटे से भी कम समय चली इस बैठक में 10 जगह रेटेल काउंटर खोलने पर चर्चा हुई, लेकिन थोक व्यापारी दूसरी जगह जाकर प्याज बेचने के लिए राजी नहीं हुए। छह व्यापारियों ने ही चार क्षेत्रों में स्टॉल खोलने की स्वीकृति दी। हालांकि थोक व्यापारियों की मांग थी कि यदि सरकार हमें प्याज खरीदकर उपलब्ध कराए तो हम कहीं भी स्टॉल लगाकर बेच देंगे। व्यापारियों के इस प्रस्ताव पर एडीएम सतीश कुमार एस सहमत नहीं हुए।

बैठक में खुलासा, फुटकर व्यापारी ही लूट रहे उपभोक्ताओं को

बैठक में चर्चा के दौरान करोड़ मंडी के थोक व्यापारियों ने कहा कि भोपाल की किसी भी मंडी में 47 रुपए प्रति किलो से ज्यादा महंगी प्याज नहीं बिक रही है। थोक व्यापारी के पास एक ग्रेड क्वालिटी की प्याज भी 50 रुपए से अधिक महंगी नहीं है। फिर मार्केट में प्याज के भाव 90 रुपए कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि फुटकर व्यापारी प्याज के भाव में तड़का लगा रहे हैं तो साफ है कि वह उपभोक्ताओं को लूट रहे हैं। इस पर जिला खाद्य आपूर्ति निस्त्रक ज्योति शाह नरवरिया ने कहा कि फुटकर व्यापारियों पर नियंत्रण करने के लिए रेटेल में प्याज खुले मार्केट में बेचेंगे, तब ही फुटकर व्यापारी प्याज के भाव गिराएंगे।

चार बड़ी मंडियों से प्याज खरीदकर लाए अधिकारी

खाद्य विभाग के अधिकारी भोपाल की चार बड़ी मंडियों से प्याज खरीदकर लाए। करोड़ मंडी से खरीदी गई प्याज 10 से 30 रुपए प्रति किलो तक मिली। यह प्याज कर्नाटक की गीली प्याज है। नवंबर सहज्जी मंडी में प्याज 20 से 45 रुपए प्रति किलो मिली। हबीगंज थाना के पास वाली मंडी में प्याज 50 से 80 रुपए प्रति किलो मिली। यहां देशी प्याज के रेट सबसे ज्यादा निकले।

शहर में 30 प्रतिशत सड़कें अभी भी नहीं सुधरीं, एजेसियों के दावे हैं झूठे

भोपाल। शहर के बाहरी क्षेत्र नीलबड़-रातीबड़ और आसपास से रोजाना 25 हजार से अधिक छात्र बस, मैजिक व खुद के वाहनों से जर्जर सड़कों में से आने-जाने को मजबूर हैं। यह हालत तब है, जब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तमाम अफसरों ने दो-दो मंत्रियों की मौजूदगी में इस रोड समेत शहरभर की सड़कों को सुधारने का दावा किया था। इसी तरह कलियासोल से नीलबड़ का रास्ता हो या नेहरु नगर, भरभदा, सूरज नगर की राह, सभी गड्ढों से पटी हुई हैं। इससे वाहन चालकों को पहुंचने में तय से 30 फीसदी समय अधिक लगता है। उन्होंने काम शुरू किया, लेकिन अब तक 30 व सड़कें भी नहीं सुधरीं। सड़क विकास प्राधिकरण बनाकर शहर की सड़कें उसके सुपुर्द करने का प्रस्ताव महापौर आलोक शर्मा ने दिया था। विभाग के साथ बैठक हुई। निगम के तत्कालीन अपर आयुक्त वी के चतुर्वेदी ने एजेसियों के साथ बैठक की। सड़कों के वाईनर नक्शे बनवाए, पर बाद में सब डेढ़ बस्ते में चला गया। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण यंत्री वीके आरक को नीलबड़-रातीबड़ क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत करनी थी। मंत्रियों व अफसरों ने उन्हें काम जल्द पूरा करने को कहा, लेकिन नहीं कर पाए। उनका कहना है कि ठेकेदारों को भेद-से का कहा है। नगर निगम के अपर आयुक्त कमल सोलंकी का कहना है कि निगम को सड़? अंदरूनी हैं और ज्यादातर बेहतर हैं। ठेकेदारों से काम शुरू करने को कहा है। उन्हें पाई पैमेंट किए जा रहे हैं। सीपीए के अधीक्षण यंत्री जवाहर सिंह का कहना है कि हमारी सड़कें काफी कम खुदी थीं। इनका डायरीकरण व सीमेंटीकरण कराया है। वे कहते हैं यदि पेववर्क में कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसे फिर से करवा दिया जाएगा।

कार्यक्रम **राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न**

बचपन से ही मिलें ऊर्जा संरक्षण के संस्कार : राज्यपाल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राज्यपाल लालजी टंडन ने कहा है कि नए भारत के निर्माण के लिए जरूरी है कि हम हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है। इसलिए बच्चों को बचपन से ही ऊर्जा संरक्षण के संस्कार दिये जाएं। श्री टंडन बाल दिवस पर समन्वय भवन में आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नर्मदा हाइड्रो इलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित इस



कार्यक्रम में राज्यपाल ने विजेताओं को पुरस्कार और दस-दस प्रतिभागियों को सात्वना पुरस्कार प्रदान किए। राज्यपाल श्री टंडन ने

कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत मिशन को सफल बनाने के लिए जरूरी है कि मांग और उत्पादन में संतुलन हो। उत्पादन में वृद्धि,

उपयोग में संयम और वितरण में समानता हो। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण समय की आवश्यकता है। इसके लिए समाज में जन-जागृति लाना जरूरी है। उन्होंने एनएचडीसी द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्कूली बच्चों के बीच ऊर्जा संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एक सार्थक पहल है। बच्चों में ऊर्जा की बचत के संस्कार होने से उनके परिजनों में भी ऊर्जा संरक्षण के प्रति चेतना का विकास होगा। एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक श्री ए.के. मिश्रा ने बताया

कि केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय अभियान 2019 के अन्तर्गत एनएचडीसी द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 69 हजार 250 स्कूलों के 11 लाख 81 हजार बच्चे शामिल हुए हैं। दो श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिता में दोनों श्रेणियों में 50-50 बच्चों का चयन कर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता को 50 हजार, द्वितीय को 30 हजार और तृतीय को 20 हजार रूपये एवं प्रशस्ति-पत्र से पुरस्कृत किया गया है। विजेता आगामी 12 दिसम्बर

को राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में भागीदारी करेंगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मुख्य महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर कक्षा 4थी से 6वीं तक की प्रथम श्रेणी में वैदिका जैन को प्रथम, कनक गोयल को द्वितीय और वंशिका सिसोदिया को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। श्रेणी दो में कक्षा 7वीं से लेकर 9वीं तक के विद्यार्थियों में प्रथम पुरस्कार भविष्य आचार्य, द्वितीय पुरस्कार शुभंकर कुमार और तृतीय पुरस्कार आदर्शो को प्रदान किया गया।

लोगों की तालियों की ध्वनि रुक
का नाम नहीं ले रही थी।
दरअसल, यह कार्यक्रम अंगद
करने वाले लोगों की स्मृति
आर्पणित किया गया था और
उनके परिजनों को इस नेक कार
के लिए स्मृति चिह्न दिया गया था
अपनों की मौत को एक बार पि
याद करके परिजन और अनु
लोग तो मगमगी थे इस मौके
पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं कल्या
मंत्री हर्षवर्धन, खेल मंत्री किर
रिजिजु, गायक मोहित चौहान
और मैरीकॉम भी भावुक हो चौं
अंगदों पर अपने विचार रखने के
अवसर पर देश की सबसे सफ
महिला मुक्केबाज ने कहा, मैं
बहुत मेहनत करके खेल क
दुनिया में ऊचाइयों को छुंआ है
यहां आकर सुझे ऐसी झुंझ पीली
हो रहा है मैं भी अंगदान कर

जबकि भारत का रैंकिंग 106 है। अफ़ग़ान टीम अपने रूप में तीन मैचों में दो हारने और एक जीत के बाद तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टियेक़ माना कि उनकी टीम के पिताहाल स्थिति काफ़ी मुश्किल भरी है और उसके विजेता अनिवार्य हैं। कोच ने कहा, 'हमारे पास जीत खुद नहीं आएगी। हम इसे छीनना होगा।'

अफ़ग़ानिस्तान में सुरक्षा

÷ अफ़ग़ानिस्तान में सुरक्ष

■ न्यूज गैलरी

अपने खेत में ट्रैक्टर चलाते नजर आए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज, कहां- सचमुच में खेती करने का आनंद ही अलग है



विदिशा। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह विदिशा में अपने खेत में ट्रैक्टर चलाते नजर आए। उन्होंने करीब एक घंटे खेत में गेहूं की बोवनी की। शिवराज सिंह बुधवार दोपहर अचानक विदिशा में फॉर्म हाउस पहुंचे थे। खेत में बोवनी करने के बाद शिवराज ने टवीट कर कहा कि अब अधिकतम खेती ट्रैक्टर से होती है, बैल बेरोजगार हो गए हैं। मैंने भी आज ट्रैक्टर से ही गेहूं की बोवनी की। आत्मिक सुख मिला, क्योंकि ये गेहूं की फसल जब तैयार होगी तो इससे उपजे अनाज से कई लोगों का पेट भरेगा। खेती कठिन है लेकिन फिर भी खेती का आनंद ही अलग है। सचमुच में खेती करने का आनंद ही अलग है! मैंने बचपन में भी खेती की है। तब बड़ी संख्या में ट्रैक्टर नहीं होते थे, बैलों में जुती नाड़ियाँ चलती थी। कंधे पर ढुली टांगकर उसमें रखे हुए अनाज को हाथ से पोर में डालते थे जिसे ऊरना कहते थे।

रात में पापा से बोला- बाथरूम से आता हूं और दूसरे कमरे में जाकर लगा ली फांसी

भोपाल। शिवनगर फेस-3 में नौवीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जान देने के लिए रात में जब वह बिस्तर से उठा तो पिता की नींद खुल गई। सवाल करने पर बोला- पापा, बाथरूम से अभी लौटता हूं। दूसरे कमरे में जाकर उसने सीलिंग फैन खोलकर नीचे रखा और उसके कुदे में दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। परिवार भी छात्र के इस कदम से हैरान है। भाई का कहना है कि उसे कोई परेशानी नहीं थी, न जाने क्यों उसने जान दे दी? शिव नगर फेस-3 निवासी 16 वर्षीय अमित चौरसिया एक निजी स्कूल में कक्षा नौवीं का छात्र था। पिता राजू चौरसिया सब्जी व्यापारी हैं। रोज की तरह खाने के बाद रात में पूरा परिवार सो गया। एएसआई एसके द्विवेदी के मुताबिक रात करीब सवा 12 बजे अमित बिस्तर से उठा तो पिता ने सवाल किया। अमित बोला- पापा, अभी बाथरूम से आता हूं। आधे घंटे तक जब वह नहीं लौटा तो पिता बाथरूम तक गए। अमित को यहां न देखकर वह दूसरे कमरे में गए। दरवाजा भीतर से बंद था। सीढ़ी लगाकर झांका तो अमित फंदे पर लटका था। परिवार की मदद से दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा, लेकिन अमित की सांसें थम चुकी थीं। मौके पर पहुंची छोला मंदिर पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। बड़े भाई रहूल चौरसिया ने बताया कि अमित न पढ़ाई में कमजोर था और न ही उसे कोई परेशानी थी। बीती 4 नवंबर को उसका 16वां जन्मदिन था।

प्रचार-प्रसार हेतु महिलाओं एवं छात्राओं ने निकाली रैली

रायसेन। महिलाओं एवं गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर के प्रचार-प्रसार के अंतर्गत वार्ड नंबर 13 में रैली निकाली। रैली में मुख्य रूप से रुखसार खान, अहमद, सुनीता रजक आदि शामिल रहे। इस मौके पर प्रशासक सीमा पटेल ने बताया कि महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता से कार्य करने के लिए वन स्टॉप सेंटर 24 घंटे खुला रहता है। यहां पर काउंसलर एवं अन्य सहायक जो भी महिला चाहती है हम उपलब्ध करवाते हैं। कोशिश करते हैं कि महिलाओं की समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द कर सकें।

पीएससी की ऑनलाइन परीक्षा फीस दोगुनी

अब सामान्य वर्ग को 1200 की जगह देने होंगे 2500 रुपए

बेरोजगारों पर बोझ सहायक संचालक कृषि के 37 पदों पर की जाने वाली भर्ती के लिए नई फीस लागू

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं की मुश्किल और बढ़ा दी है। इसकी वजह है कि पीएससी ने सभी ऑनलाइन परीक्षाओं की फीस दोगुनी से ज्यादा कर दी है। इससे न सिर्फ अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को परेशानी में डाला है, बल्कि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार भी प्रभावित हुए हैं। अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों की फीस 1200 रुपए से बढ़ीकर सीधे 2500 रुपए तय की गई है। इसी प्रकार आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों की फीस 600 रुपए से बढ़ाकर 1250 रुपए कर दी है। पीएससी ने इस बड़ी हुई फीस को लागू भी कर दिया है। हाल ही में सहायक



संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास (क्षेत्र एवं विस्तार) के लिए जारी किए विज्ञापन के अनुसार उम्मीदवारों से बड़ी हुई फीस ली जा रही है। यह भर्ती सहायक संचालक के 37 पदों के लिए की जानी है। इसके लिए आवेदन 7 दिसंबर तक भरे जाएंगे। ऐसा भी नहीं है कि पीएससी द्वारा

युवाओं को रोजगार के लिए लगातार अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस साल कृषि विभाग के लिए सीधी भर्ती के तहत विज्ञापन जारी किया और इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के लिए बैकलॉग के पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। अब उम्मीदवार अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। फीस 10 से

प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक बार फिर नाथूराम गोडसे को बताया देशभक्त

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। महात्मा गांधी की 150 जयंती पर बीजेपी द्वारा आयोजित पदयात्रा से गायब रहने पर उठे सवाल पर प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने चुप्पी तोड़ी और एक बार फिर गोडसे को देशभक्त बताया है। प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि वह गांधी के दिखाए रास्तों की पब्लिसिटी करने के बजाय उसका पालन करने में यकीन रखती हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि कांग्रेस को कभी किसी से सहानुभूति नहीं है, चाहे वह गांधी हो या गोडसे। प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक फायदों के लिए गांधी के नाम को कैश करती है लेकिन उनके आदर्शों का कभी पालन नहीं किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके आदर्शों को मानते हैं। जिस दिन मोदी जी ने गांधी के विचारों का प्रसार करने का जिम्मा लिया, उसी दिन से पूरे देश में बदलाव दिखने लगा।



कांग्रेस गोडसे की देशभक्ति तक नहीं पहुंच सकती

प्रज्ञा एक बार फिर गोडसे की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा, %कांग्रेस को कभी किसी से कोई सहानुभूति नहीं रही है, चाहे वह गांधी हों या गोडसे। वे (कांग्रेस) गांधी के आदर्शों तक या गोडसे की देशभक्ति और विचारधारा तक कभी नहीं पहुंच सकती है। वे सिर्फ राजनीतिक फायदों के लिए

लोगों की भावनाओं से खेलते हैं।

गांधी जयंती पर बीजेपी की संकल्प यात्रा

बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान गोडसे को देशभक्त बताने पर प्रज्ञा ठाकुर पीएम मोदी की नाराजगी भी झेल चुकी हैं। बीजेपी द्वारा 150वीं गांधी जयंती पर निकाली संकल्प यात्रा में प्रज्ञा की नामौजूदगी पर सवाल उठे थे। कांग्रेस ने इसके जरिए बीजेपी और प्रज्ञा पर हमला बोला था।

हिन्दूजा गुप का मध्यप्रदेश में अशोक लीलेंड ट्रक निर्माण की इकाई लगाने पर विचार

मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव उद्योग डॉ. राजेश राजौरा ने समूह के चेयरमेन गोपीचन्द पी. हिन्दूजा ने कल लंदन में री मुलाकात

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। हिन्दूजा उद्योग समूह मध्यप्रदेश में सात हजार करोड़ की लागत की अशोक लीलेंड ट्रक निर्माण की इकाई लगाने पर विचार कर रहा है। यह जानकारी में समूह के चेयरमेन गोपीचन्द पी. हिन्दूजा ने कल लंदन में मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव उद्योग डॉ. राजेश

राजौरा से चर्चा में दी। ब्रिटिश पार्लियामेंट के हाउस ऑफ लार्डस में हुई मुलाकात में इस इकाई की मध्यप्रदेश में स्थापना पर चर्चा के लिये श्री पी. हिन्दूजा ने डॉ. राजौरा को शुक्रवार को लंदन स्थित हिन्दूजा उद्योग समूह के मुख्यालय में चर्चा के लिये आमंत्रित किया

ऑफ लार्डस में डॉ. राजेश राजौरा की प्रसिद्ध उद्योगपति लार्ड स्वराज पॉल से भी मुलाकात हुई। इसके पहले डॉ. राजौरा ने कल इन्स्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स की ब्रिटिश पार्लियामेंट में आयोजित बैठक में मध्यप्रदेश का प्रेजेन्टेशन दिया।

अत्यवस्था

अलग-अलग प्रोजेक्ट के चलते कई स्थानों पर सड़कों की चौड़ाई बची 15 से 20 फीट

अत्यवस्थाए दे रही हादसों को निमंत्रण, आम लोगों पर भारी पड़ रही

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी में कई स्थानों पर विकास कार्य तो चल रहे हैं लेकिन इनके आसपास अत्यवस्थाए हादसों को निमंत्रण दे रही हैं। अलग-अलग प्रोजेक्ट के चलते कई स्थानों पर सड़कों की चौड़ाई 15 से 20 फीट ही बची है। बावजूद इसके संबंधित एजेंसी ने यहां रोशनी के पर्याप्त इंतजाम ही नहीं किए। लगभग सभी जगह ये स्थिति है। जिम्मेदारों की ये लापरवाही आम लोगों पर भारी पड़ रही है। शहर में मेट्रो लाइन बिछाने, ओवर ब्रिज निर्माण के साथ



स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर काम हो रहे हैं। बावड़िया कला, कोलार, होशंगाबाद रोड

सहित कई जगह जहां ये कार्य हो रहे वहां सड़क संकरी हो गई। प्रोजेक्ट के तहत

बीच रोड पर चादरें लगाकर रोड बंद कर दिए गए। आवाजाही के लिए जो जगह शेष है वहां नैन ने इंतजाम नहीं किए। होशंगाबाद हाइवे से न्यू भोपाल के बावड़िया कला, अरेरा कॉलोनी आदि इलाकों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहे आरओबी का काम चल रहा है। सड़क के पास गहरे गड्ढे, लोहे के जाल आदि खुले पड़े हैं। रात को प्रॉपर स्ट्रीट लाइट भी नहीं रहती। दानापानी रोड पर तो स्ट्रीट लाइट ही नहीं हैं। यहां मर्डर तक हो चुका है। आमने-सामने वाहन आने पर टूटी सड़क और गड्ढे दिखाई नहीं पड़ते। बावड़िया कला ट्रैक से प्रतिदिन 250 ट्रेन

गुजरती हैं, जिससे दिनभर में यह फाटक सौ से भी अधिक बार बंद किया जाता है। इस आरओबी की कुल लागत 39 करोड़ रुपए है, जिसमें रेलवे के हिस्से में निर्माण की लागत 15 करोड़ और पीडब्ल्यूडी के हिस्से में 24 करोड़ रुपए हैं। पुल की लंबाई 661 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर होगी, जिससे 5000 वाहन और 7000 पैसेंजर वाहन प्रति घंटा गुजर सकेंगे। बावड़िया कला आरओबी अप्रैल 2018 में शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन अभी तक काम ही पूरा नहीं हो सका है। यह आरओबी अप्रैल 2018 के बाद दिसंबर 2018 में शुरू करने की

बात कही गई थी। उसके बाद इसे फरवरी और मार्च 2019 में शुरू करने की बात कही गई थी। कार्य की गति देखकर लगता है कि यह वर्ष 2020 में शुरू हो सकेगा। इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। एक किलोमीटर के हिस्से में सीमेंट-कंक्रीट की सड़क बनाई जा रही है। बीडीए की सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना की सड़क पर एम्पल बंगलो के पास सड़क के बीच खुदाई कर ऊंची खाई बना दी गई है, जबकि मिसरोद और सलैया सड़क के दोनों छोर पर कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए हैं।

बुदनी के हॉस्टल में छात्र की मौत, जमीन पर बैठ एसडीएम ने बच्चों से समझा पूरा मामला

शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में तिल्ली फटना मौत का कारण, उंगलियों में भी करंट के निशान मिले, अधीक्षक निलंबित

नवप्रदेश संवाददाता

सीहोरा। जिले के बुदनी में अनुसूचित जाति बालक छात्रावास में एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों मौत हो गई। बारहवीं में पढ़ने वाले छात्र सरवन पवार की अचानक तबीयत बिगड़ी थी और जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परजन अस्पताल पहुंचे और आक्रोश व्यक्त किया। घटना की जानकारी लगते ही एसडीएम वरुण अवस्थी हॉस्टल पहुंचे और बच्चों के साथ



जमीन पर बैठ पूरे मामले की जानकारी ली।अधीक्षक महेन्द्र सिंह गौर को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक सरवन सिंह पिता रूप सिंह निवासी भड़कुल तहसील रेहटी को छात्रावास में मंगलवार रात करीब 4 बजे अचानक पेट में दर्द हुआ। उसके बाद बुदनी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया

जहा डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। छात्रों ने पुलिस को बताया गया कि छात्र सरवन पंवार आयु 17 साल को हॉस्टल के पीछे से अपने मोबाइल से अपने साथियों को सूचना दी कि उसकी तबियत खराब हो रही है। परजनो ने अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाया पुलिस ने पूरे मामले की

जांच शुरू कर छात्र के कमरे को सील कर दिया है। मौत का कारण अभी तक पता नहीं चला है पोस्टमार्टम भोपाल से कराने के लिए शव आज भोपाल भेजा गया है। इस मामले को जिला कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से प्रथम दृष्टया छात्रावास अधीक्षक महेन्द्र गौर को निलंबित कर दिया गया है। मामले में बुदनी एसडीओपी एसएस पटेल ने बताया कि अस्पताल से सूचना आई थी कि छात्रावास से छात्र की बाँड़ी आई मर्ग कायम किया गया पंचनामा कार्रवाही करने पर उसकी सन्दिग्ध परिस्थितयो में मृत्यु होना पाई जाती है। मेडिकल टीम पोस्टमार्टम के लिए भोपाल भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई। पोस्टमार्टम प्राप्त होने और बच्चों के कथन पर जो आएका वैधानिक कार्रवाही की जाएगी।

अपनों पर बिफरे दिग्गी- नहीं जानते क्या है 370

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने आर्टिकल 370 हटाए जाने का समर्थन करने वाले कांग्रेसियों को ही आड़े हाथों लिया

उन्होंने कहा कि आधे से ज्यादा कांग्रेसियों को यह पता ही नहीं है कि आखिर आर्टिकल 370 है क्या?

भोपाल। केंद्र सरकार की ओर से आर्टिकल 370 हटाने का समर्थन करें या फिर विरोध, इस पर अभी कांग्रेस भ्रमित नजर आ रही है। गुरुवार को मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने आर्टिकल 370 हटाए जाने का समर्थन करने वाले कांग्रेसियों को ही आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आधे से ज्यादा कांग्रेसियों है। यदि हम कश्मीर चाहते हैं तो फिर कश्मीरियों को साथ लेना



आर्टिकल 370 है क्या? पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दिग्विजय ने कहा, आधे से ज्यादा कांग्रेसियों को यही पता नहीं है कि 370 क्या है। वे कहते हैं कि केंद्र सरकार ने अच्छ काम किया, क्या अच्छ किया? उन्होंने कहा कि कश्मीर हमारे हाथ से फिसल रहा है। यदि हम कश्मीर चाहते हैं तो फिर कश्मीरियों को साथ लेना

होगा। बता दें कि दिग्विजय सिंह के प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले मध्य प्रदेश के ही दिगजय नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्र सरकार के इस फैसले का समर्थन किया था। इसके अलावा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने भी कहा था कि जब 370 हटाने का बिल संसद में आया था तो हमने इसका समर्थन किया था, लेकिन हटाने के तौर-तरीके का विरोध किया था।